Adverse effect of Cable T.V. Programmes on younger generation

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : माननीया उपसभापति महोदया में विशेष उल्लेख के माध्यम से केबल टी.वी. के द्वारा जिन कार्यक्रमों को दिखाया जा रहा है उनकी ओर सरकार का और इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदया, केबल टी.वी. के माध्यम से अनेकों कार्यक्रमों को दिखाया जा रहा है। यदि इनकी किस्म का आकलन किया जाए कि किस प्रकार के कार्यक्रम दिखाए जा रहे हैं तो हम निश्चित तौर पर इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि ये कार्यक्रम घटिया किस्म के हैं। केबल टी.वी. के माध्यम से जो कार्यक्रम दिखाए जाते हैं उन कार्यक्रमों को देखने वाली जो संख्या है वह हमारे देश के नौजवानों की संख्या ज्यादा है, बहुतायत है, तो निश्चित रूप से हमारे देश की तरुणाई प्रत्यक्ष रूप से इन कार्यक्रमों से प्रभावित हो रही है। यदि इन कार्यक्रमों का स्तर अच्छा होगा तो नौजवान पीढ़ी कुछ सीखेगी। उसे अच्छे ढंग से एजुकेट किया जा सकता है, उसको अच्छी जानकारियां उपलब्ध कराई जा सकती हैं। लेकिन यदि इन कार्यक्रमों का स्तर घटिया किस्म का होगा तो निश्चित रूप से मानसिक और शारीरिक, दोनों रूप में इसका प्रभाव इस देश की नौजवान पीढ़ी पर पड़ेगा।

महोदया, मेरी मान्यता यह है कि एक तो केबल टी.वी. पर सरकार का नियन्त्रण होना चाहिए। दूसरा इसके लिए निश्चित रूप से कुछ नियम और कायदे बनना चाहिए जिन नियमों और कायदों की परिधि में इन केबल टी.वी. के कार्यक्रमों को दिखाया जा सके। दो प्रकार की चीजों पर ध्यान देना आवश्यक है। एक तो यह है कि कार्यक्रम का भौगोलिक प्रेक्षत्र क्या हो और दूसरा कार्यक्रम के अंश किस प्रकार के हों और उन कार्यक्रमों का स्तर किस ढंग का हो जिसका प्रभाव देखने वाले पर किस ढंग का पड़ेगा। यह देखा जाता है कि जो अंश दिखाए जाते हैं उसका बहुत गलत प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से जो हमारे देश की नौजवान पीढ़ी है वह दिग्भ्रमित हो रही है इन केबल टी.वी. के कार्यक्रमों को देखे जाने से और अकसर जो स्कूलों और कालेजों में पढ़ने वाले लड़के हैं, महोदया, वे तो केबल टी.वी. के कार्यक्रमों को देखने के लिए ही बैठे रहते हैं और उन कार्यक्रमों को देखने से उन्हें एजुकेशनल और इन्फर्मेटिव कोई पर्याप्त जानकारी नहीं मिल पाती है। और तो और जिन राज्यों ने "सैकण्ड चैनल" सरकार से चाही है जिसके माध्यम से दिखासकें ड्राउट रिलीफ वर्क और जो मलेरिया की रोकथाम के लिए किस प्रकार की सावधानी बरतना आवश्यक है, हैल्थ अवेयरनैस प्रोग्राम है, वह चैनल भी अभी तक प्रदान नहीं की गई है। दर असल में यह कहूं कि केबल टी.वी. के कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का अपहरण हो गया है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

महोदया, इस सरकार ने 6 चैनल प्रारम्भ किए हैं। जिनके पास डिश हैं, जो सम्पन्न लोग हैं, वही इन कार्यक्रमों को देख पाते हैं। यद्यपि हमने तकनीकी क्षेत्र में क्रांति की है। इंदिरा जी के दौर में कलर टी.वी. प्रारम्भ हुआ। इनसैट 2-बी के माध्यम से इस सरकार ने तकनीकी क्षेत्र में काफी प्रगति की है, लेकिन फिर भी मेरा इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से यह मांग है कि सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि समाज

[श्री सुरेश पचौरी]

को डिश उपलब्ध कराई जा सके कम्युनिटी को और इसका इस ढंग से उपयोग हो कि इसका नेशनल और मैट्रो चैनल पर भी उपयोग हो सके, साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोग इससे लाभान्वित हो सकें। लंबे अर्से से हम सुन रहे हैं कि सरकार इस संबंध में विधेयक लाने जा रही है, लेकिन उस विधेयक को लाने में भी विलम्ब हो रहा है। इसलिए मैं सरकार से मांग करूंगा कि सरकार इस संबंध में शीघ्र विधेयक लाए, केबल टी.वी. के कार्यक्रमों पर सरकार प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से नियन्त्रण रखे और जिन कार्यक्रमों को दिखाया जा रहा है उनकी समीक्षा सरकार कर सके, ऐसी व्यवस्था करे।

महोदया, अभी यह बात आई कि हम विशेष उल्लेख के माध्यम से जिन मुद्दों को उठाते हैं सरकार की तरफ से उनका कोई जवाब नहीं आता है। यह हमारा सौभाग्य है कि मंत्री जी यहां उपलब्ध हैं, तो क्यों न आज से ही यह व्यवस्था आरम्भ कर दी जाए कि यदि मंत्री उपलब्ध हों तो कृपापूर्वक वह प्रतिक्रिया व्यक्त करें। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि इस संबंध में मंत्री जी का क्या विचार है, कृपया अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें। धन्यवाद, महोदया।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Madam, 7 years ago I had raised this concept of a second channel for the States on the floor of this House so that we could work progressively, we could get bulletins on health, famine, flood and drought reliefs, but that was denied. Now the hon. Member has referred to the culture which is neither here nor there. Television is relatively a new idea as far as this country is concerned and as far as information is concerned we have been dependent on Doordarshan for so many years now. Today we have thrown open the global sky for everybody, and anything and everything is being brought on television network. I want to know whether any study has been conducted, whether there has been a rise in crime in society after the introduction of this cable network.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): I want to associate myself with the special mention of the hon. Member. It is a dangerous situation that has been created by cable network. It has polluted... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Do you want to say something? You are voluntarily reacting because I do not force anybody to react.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): Yes, I am voluntarily reacting.

I am extremely grateful to the hon. Members who have raised this point. In fact, we are extremely proud of the scientists and technologists who have made it possible to have these 6 channels. As Mr. Suresh Pachouri just now mentioned, we are trying to make it accessible to the common people in the quickest possible time. The exercise is on.

The hon. lady Member, Shrimati Renuka Chowdhury, asked whether any study has been done. Already the Ministry has made a study on the impact of television on the sociological, cultural and political aspects in our country. We are studying the same and we will come to the House to share it with the hon. Members as and when we finalise the report.

However, I am extremely grateful to Shri Suresh Pachouri for having raised this. As you are aware, the Standing Committee is seized of the Cable Bill. Hopefully we shall be able to bring it before the Session terminates.

Neglect of Tamil Nadu by the Railways

SHRI S. MUTHUMANI (Tamil Nadu): Thank you, Madam, for providing me this opportunity.